राजस्थान में शिक्षा का बदला परिदृश्य : ड्रॉपआउट दर घटी, सुविधाओं में सुधार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बीते 2 वर्ष में स्कूलों को लेकर हुए नवाचार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिल रहा है। राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025-26 के आंकड़े बताते हैं कि जहां एक ओर ड्रॉपआउट दर में कमी आई है, वहीं विभिन्न स्तरों पर संक्रमण दर में भी सुधार हुआ है। साथ ही बजट 2026-27 में गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और नवाचार आधारित शिक्षा के लिए बड़े प्रावधान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- वर्ष 2024-25 में ड्रॉप आउट रेट प्राथमिक स्तर के लिए 7.6 से घटकर 3.6 एवं माध्यमिक स्तर के लिए 11.1 से घटकर 7.7 हुई
- टेबलेट-लैपटॉप, साइकिल और यूनिफॉर्म वितरण योजनाओं में ई-वाउचर एवं डीबीटी से विद्यार्थियों को मिलेगा सीधा लाभ
- 'स्कूल टू वर्क', 'स्कूल ऑन व्हील्स' के नवाचारों से व्यावसायिक एवं समावेशी शिक्षा को मिलेगी नई उडान
- बजट 2026-27 में प्रारम्भिक शिक्षा के लिए 21 हजार 646 करोड़ रुपये तथा माध्यमिक शिक्षा के लिए 19 हजार 473 करोड़ रुपये का प्रावधान किए

आर्थिक समीक्षा के अनुसार माध्यमिक से उच्च माध्यमिक स्तर पर संक्रमण दर वर्ष 2023-24 के 82.6 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 88.2 प्रतिशत हो गई है। वहीं प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर पर यह दर 90.7 प्रतिशत से बढकर 93.8 प्रतिशत पहुंच गई। ड्रॉपआउट दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। प्राथमिक स्तर पर यह 7.6 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत, उच्च प्राथमिक स्तर पर 6.8 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत तथा माध्यमिक स्तर पर 11.1 प्रतिशत से घटकर 7.7 प्रतिशत रह गई है।

बजट वर्ष 2026-27 में प्रारंभिक शिक्षा के लिए 21 हजार 646 करोड़ रुपये से अधिक तथा माध्यमिक शिक्षा के लिए 19 हजार 473 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रारंभिक शिक्षा में 13 हजार 767 करोड़ रुपये से अधिक तथा माध्यमिक शिक्षा में 2821 करोड़ रुपये से अधिक व्यय प्रस्तावित है।

इसके अलावा, आरटीई के अंतर्गत निजी विद्यालयों को शिक्षण शुल्क पुनर्भरण के लिए 1250 करोड़ रुपये तथा पीएमश्री योजना के लिए 434 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है।

विद्यार्थियों को टेबलेट/लैपटॉप, साइकिल और यूनिफॉर्म वितरण योजनाओं को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए डीबीटी एवं ई-वाउचर प्रणाली लागू की जाएगी। कक्षा 8, 10 और 12 के चयनित मेधावी विद्यार्थियों को टेबलेट या लैपटॉप खरीदने के लिए 20 हजार रुपये तक की सहायता ई-वाउचर के माध्यम से दी जाएगी।

इसी प्रकार 9वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल के लिए ई-वाउचर दिया जाएगा। निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत लगभग 3.90 लाख बालिकाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। वहीं कक्षा 1 से 8 तक के 40 लाख से अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क यूनिफॉर्म के लिए 250 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से दिए जाएंगे।

निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के तहत शैक्षिक सत्र 2025-26 में लगभग 80 लाख विद्यार्थियों को 4 करोड़ से अधिक पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया।

बजट 2026-27 में कक्षा 1 से 8 तक के लिए 150 करोड रुपये तथा माध्यमिक शिक्षा के लिए 90 करोड रुपये का प्रावधान किया गया है। रोजगारपरक शिक्षा को बढावा देने के लिए आगामी सत्र में 500 अतिरिक्त विद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिसके लिए 51 करोड रुपये से अधिक का प्रावधान है। प्रत्येक जिले में 'स्कूल टू वर्क' कार्यक्रम, घुमंतू समुदायों के बच्चों के लिए 'स्कूल ऑन व्हील्स', जयपुर और जोधपुर में स्पेस गैलरी तथा एक हजार विद्यालयों में एआई आधारित पर्सनलाइज्ड लर्निंग लैब्स स्थापित करने की पहल की गई है।

इसके अलावा 400 विद्यालयों को चरणबद्ध तरीके से 'सीएम राइज' विद्यालयों में क्रमोन्नत करने के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकार का मानना है कि इन पहलों से प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता, पहुंच और रोजगारपरकता को नई दिशा मिलेगी तथा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सक्षम मानव संसाधन तैयार होंगे।

आरजीएचएस योजना में अनियमितता पर सख्ती, आठ कार्मिक निलंबित

अब तक अनियमितताओं पर19 एफआईआर हो चुकी हैं तथा अस्पतालों, फार्मेसी व अन्य हितधारकों से लगभग 39 करोड़ रुपये की रिकवरी की गई है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) को सुदृढ़ बनाने के साथ ही अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने गंभीर अनियमितताओं के मामलों में आठ कार्मिकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

- इससे पूर्व 7 चिकित्सकों को निलंबित किया गया था और एक अस्पताल एवं एक डायग्नोस्टिक सेंटर के विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज करवाई गई थी।

विभागीय जानकारी के अनुसार आरजीएचएस योजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, कार्ड तथा राजकीय धनराशि के दुरुपयोग के आरोप प्राथमिक जांच में सही पाए गए। इसे सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन एवं राजकीय संसाधनों के दुरुपयोग की श्रेणी में मानते हुए संबंधित कार्मिकों को निलंबित किया गया है। उनके विरुद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई नियमानुसार जारी रहेगी।अब तक योजना में अनियमितताओं के मामलों में करीब 19 एफआईआर हो चुकी हैं तथा अस्पतालों, फार्मेसी एवं अन्य हितधारकों से लगभग 39 करोड़ रुपये की रिकवरी की गई है। इससे पूर्व सात चिकित्सकों को निलंबित किया गया था और एक अस्पताल एवं एक डायग्नोस्टिक सेंटर के विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज करवाई गई थी।

ताजा कार्रवाई में सौरभ कुमार रावत (नर्सिंग ऑफिसर, आरबीएम चिकित्सालय, भरतपुर), मीना कुमारी चौधरी (महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, उप स्वास्थ्य केन्द्र खुडासा, भरतपुर), किशन देई (महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, उप स्वास्थ्य केन्द्र कुचावटी, जिला डीग), सत्यप्रकाश छावडी (नर्सिंग ऑफिसर, जिला चिकित्सालय बयाना, भरतपुर), मंजू कुमारी (सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, उप स्वास्थ्य केन्द्र नगला माय, भरतपुर), तुलसी देवी (महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, उप स्वास्थ्य केन्द्र हनुमानपुरा, जिला फलौदी), अनुपमा (महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सीएचसी उच्चैन, भरतपुर) तथा सुरेश चंद गुप्ता (नर्सिंग ऑफिसर, आरबीएम चिकित्सालय, भरतपुर) शामिल हैं।

राज्य सरकार ने साफ किया है कि आरजीएचएस योजना में पारदर्शिता एवं सुशासन के लिए नियमों एवं प्रक्रियाओं में आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं और भविष्य में भी किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को महाशिवरात्रि पर प्रज्ञा प्रवाह एवं युवा साथी संगठन द्वारा आयोजित ''शिवोऽहम्'' कार्यक्रम में भगवान शिव को स्मरण करते हुए सभी के मंगल की प्रार्थना की। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान भगवान शिव का अभिषेक करते हुए उनकी विधिवत पूजा अर्चना की।

सात स्थानों की दबिश में 15 तस्कर दबोचे

जयपुर। राजस्थान में नशे के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने एक साथ सात स्थानों पर कार्रवाई कर पन्द्रह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ और हथियार जब्त किए गए हैं। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि बाड़मेर, पाली, बालोतरा, जालोर, राजसमंद और श्रीगंगानगर में स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। पाली की सांभरिया दिवेर नाल घाटी में नाकाबंदी के दौरान तस्करों ने फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में 506 किलो डोडा चूरा, पिस्टल, 3 जिंदा कारतूस, 12 बोर गन, 13 कारतूस और स्कॉर्पियो जब्त की गई। जोधपुर निवासी दिनेश गिरफ्तार, एक घायल तस्कर उपचाराधीन है।

उपमुख्यमंत्री ने विधि-विधान से की पूजा-अर्चना

जयपुर। महाशिवरात्रि पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के नींदड़ मोड स्थित रविदास कॉलोनी में आयोजित शिव परिवार एवं बाबा रामदेव जी की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भगवान शिव और बाबा रामदेव जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में दिया कुमारी ने कहा कि भगवान शिव त्याग, तप और शक्ति के प्रतीक हैं, जबकि बाबा रामदेव जी लोक आस्था, सेवा और समानता के संदेशवाहक हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मक चेतना को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में बडी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने भक्ति भाव के साथ आयोजन में सहभागिता निभाई।

64 योगिनियों पर आधारित एग्ज़ीबिशन आज से

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की अलंकार दीर्घा में राष्ट्रीय स्तर की ट्रैवलिंग आर्ट एग्ज़ीबिशन 'एका : द वन' सोमवार से शुरू होने जा रही है। तीन दिवसीय प्रदर्शनी में वरिष्ठ कलाकार डॉ. बीना एस उन्नीकृष्णन द्वारा बनायी गयी पेंटिंग्स सुबह 11 से शाम 7 बजे तक प्रदर्शित की जाएगी। डॉ. बीना ने पिछले पाँच वर्षों में 68 एकल चित्र बनाये हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया जयपुर मेट्रो का विस्तृत निरीक्षण

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को जयपुर मेट्रो का विस्तृत निरीक्षण किया। दौरे का उद्देश्य मेट्रो परियोजना की प्रगति, तकनीकी व्यवस्थाओं और सुरक्षा मानकों की समीक्षा करना था।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टी सहित जयपुर मेट्रो के पूर्णकालिक निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने फेज-1डी (मानसरोवर से 200 फीट बाईपास, अजमेर रोड चौराहा) के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण, संरचनात्मक मानकों और कार्यप्रणाली की समीक्षा की।

मानसरोवर डिपो स्थित ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर और सिक्योरिटी कंट्रोल सेंटर में मेट्रो परिचालन, रीयल-टाइम मॉनिटरिंग और सुरक्षा प्रणाली की जानकारी प्रस्तुत की गई। मुख्य सचिव ने मानसरोवर से छोटी चौपड़ मेट्रो स्टेशन तक यात्रा कर परिचालन व्यवस्था का निरीक्षण किया।

छोटी चौपड़ स्टेशन पर स्थापित कला दीर्घा में प्रदर्शित मूर्तिकला, रागमाला चित्रावली तथा खुदाई के दौरान प्राप्त ऐतिहासिक संरचनाओं के संरक्षण कार्यों की जानकारी दी गई। स्टेशन नियंत्रक कक्ष, यात्री सुविधाओं, रखरखाव व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों की भी समीक्षा की गई। टनल निरीक्षण के दौरान आपात स्थिति के लिए बनाए गए क्रॉस-पैसेज और उनकी तकनीकी विशेषताओं का विवरण प्रस्तुत किया गया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को जयपुर मेट्रो का विस्तृत निरीक्षण कर परियोजना की प्रगति, तकनीकी व्यवस्थाओं और सुरक्षा मानकों की जांच की।

इस अवसर पर निदेशक (कम्पनी मामलात) महेश कुमार भुराडिया, निदेशक (परियोजना एवं परिचालन एवं प्रणाली) ओम प्रकाश, निदेशक (वित्त) सुनील ढाका, पुलिस उपायुक्त जयपुर मेट्रो सुशील सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने मेट्रो कर्मियों के कार्य की सराहना की और कहा कि परियोजना में आधुनिक तकनीक के साथ शहर की विरासत के संरक्षण का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो फेज-2 की स्वीकृति शीघ्र मिलने की अपेक्षा है और जयपुर मेट्रो सुरक्षित एवं सुगम सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजस्थान के कई जिलों में 17 व 18 को बारिश की संभावना

प्रदेश में सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम बदलने के आसार

जयपुर। प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। प्रदेश में सक्रिय हो रहे पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से 17-18 फरवरी को कई शहरों में बारिश की संभावना है।

रविवार को प्रदेश में गर्मी का असर देखने को मिला। प्रदेश के जयपुर सहित 21 शहरों का दिन का पारा 30 डिग्री के पार दर्ज किया गया। 35.8 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 17 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही।मौसम विभाग के अनुसार बाड़मेर के अलावा अजमेर, भीलवाड़ा, जयपुर, पिलानी, कोटा, चित्तौड़गढ़, डबोक, पाली, जैसलमेर, फलौदी, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, नागौर, डूंगरपुर, जालोर, फतेहपुर, करौली, दौसा और लूणकरणसर का दिन का पारा 30 डिग्री के पार दर्ज किया गया।

वहीं 5.6 डिग्री के साथ पाली की रात सबसे सर्द रही। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश में नया पश्चिम विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से 17-18 को प्रदेश के कुछ स्थानों पर मेघगर्जन के साथ बारिश संभव है।

जयपुर में रविवार को कुछ स्थानों पर धूलभरी हवाएं चली। जयपुर के पारे में उछाल दर्ज किया गया। दोपहर में लोग धूप से बचते नजर आए। जयपुर के अधिकतम तापमान में 1.8 और न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज किया गया।

जयपुर का अधिकतम तापमान 30.9 और न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री दर्ज किया गया।

एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी बिल्डिंग में आग

जयपुर। राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह अस्पताल में रविवार दोपहर आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी भी मरीज, परिजन या स्टाफ को कोई नुकसान नहीं हुआ।

अस्पताल के इमरजेंसी भवन में बिजली के एक स्विच बोर्ड में अचानक चिंगारी भड़कने से आग लग गई। आग ने पास में रखे कुछ दस्तावेजों और उपकरणों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे परिसर में धुआं फैल गया।

शिवमयी हुई छोटी काशी : महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ी आस्था

मंदिरों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए उमड़े हजारों श्रद्धालु, सड़कों पर कई कि.मी. लम्बी कतारें लगी

जयपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गुलाबी नगरी जयपुर पूरी तरह शिवमय हो उठी। रविवार अलसुबह से ही हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से छोटी काशी गूंजती रही। शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ और जलाभिषेक के लिए लंबी कतारें लग गईं।

विशेष रूप से ताडकेश्वर महादेव मंदिर, झारखंड महादेव मंदिर,

- प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं को घंटों के इंतजार के बाद हुए भोलेनाथ के दर्शन

चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर और रोजगारेश्वर महादेव मंदिर आस्था के प्रमुख केंद्र बने रहे। भीड़ को देखते हुए पुलिस और मंदिर प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए, जिससे श्रद्धालु सुव्यवस्थित ढंग से दर्शन कर सकें।

जयपुर की बसावट से पहले स्थापित माने जाने वाले ताड़केश्वर महादेव मंदिर में तड़के मंगला आरती के साथ पूजा-अर्चना प्रारंभ हुई। आरती के बाद कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की कतारें लंबी होती चली गईं। हाथों में गंगाजल से भरे कलश, बेलपत्र, शमी पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, मोगरी, गाजर और बेर से सजी थालियां लिए भक्त बाबा के दरबार में पहुंचे। श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर भोलेनाथ का विशेष शृंगार किया। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन,शिव तांडव स्तोत्र और महामृत्युंजय मंत्र के जाप से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

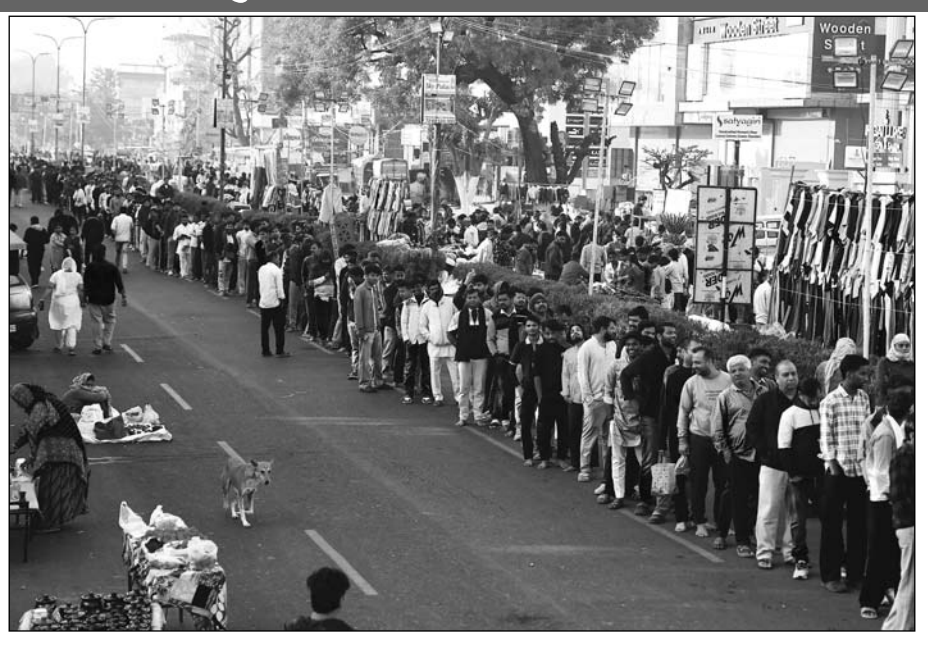

महाशिवरात्रि पर रविवार को राजधानी जयपुर में शिवालयों में अभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। झाडखंड महादेव मंदिर के बाहर सड़क पर कतारे लगी ।

कई श्रद्धालुओं ने रात्रि जागरण और उपवास रखकर पूजा-अर्चना की। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी चौपड़ से बैरिकेडिंग की गई। 100 से अधिक पुलिस जवान तैनात रहे और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी गई। मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट कर आवागमन सुचारु रखा गया।

वैशाली नगर स्थित झारखंड महादेव मंदिर में भी घंटों इंतजार के बाद श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर मिला। छोटी चौपड़ के रोजगारेश्वर महादेव मंदिर और बनी पार्क स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में भी दिनभर भक्तों की भीड़ रही।

उधर सिटी पैलेस स्थित राजराजेश्वर महादेव मंदिर में भगवान का राजसी श्रृंगार किया गया। सोने के सिंहासन और मुकुट से सुसज्जित झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

मोती डूंगरी पहाड़ी (शिवगड़ी) स्थित एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर के दर्शनों का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को लगातार छठे वर्ष भी निराशा हाथ लगी, क्योंकि मंदिर आम भक्तों के लिए नहीं खोला गया।